महत्वपूर्ण

संख्याः 40/68–5–2020

प्रेषक,

रेणुका कुमार,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

समस्त मण्डलायुक्त,
उत्तर प्रदेश।

बेसिक शिक्षा अनुभाग–5 लखनऊः दिनांक : 20 जनवरी, 2020

विषय– उत्तर प्रदेश के समस्त मण्डलो में मण्डलीय गोष्ठी आयोजित करने के सम्बन्ध मे।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में अवगत कराना है कि माननीय मुख्यमन्त्री जी के द्वारा दिनांक 04 सितम्बर 2019 को **"मिशन प्रेरणा"** का शुभारम्भ किया गया था जिसमें निम्नलिखित गतिविधियां सम्मिलित की गयी हैः–

1. **ऑपरेशन कायाकल्प**–ग्राम पंचायतों में 14 वें वित आयोग और राज्य वित आयोग से प्राप्त धनराशि से वरीयता के आधार पर परिषदीय विद्यालयों में आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं हेतु 09 मानकों से संतृप्त करने के लिए अभियान गतिमान है। **मार्च, 2020 तक 07 पैरामीटर** यथा ब्लैकबोर्ड, बालक एवं बालिकाओं के लिये पृथक–पृथक शौचालय एवं मूत्रालय, सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल, ग्रुप हैण्ड वॉशिंग यूनिट, क्लॉस रूम फ्लोरिंग, विद्यालय के परिसर एवं कक्षा–कक्ष की समुचित रंगाई–पुताई, रसोईघर का निर्माण सम्मिलित है। तत्पश्चात् 02 पैरामीटर फर्नीचर एवं बाउन्ड्री वॉल हेतु अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित कर आधारभूत व्यवस्थाओं को चरणबद्ध ढंग से मार्च 2022 तक संतृप्त किया जायेगा। प्रेरणा एप के माध्यम से ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं की जियोटैग फोटो के द्वारा प्रत्येक अवस्थापना सुविधओं के संतृप्तीकरण एवं निर्माण के प्रमाणिक आंकड़े ज्ञात कर तद्नुसार कार्यवाही की जा रही है और विद्यालयों में मूलभूत अवस्थापनात्मक सुविधाओं के निर्माण/सुधार की प्रगति जनपद एवं विकास खण्ड स्तर पर भी प्रेरणा पोर्टल के डैसबोर्ड के माध्यम से निरन्तर समीक्षा की जा रही है।
2. **क्वालिटी फ्रेमवर्क**– शिक्षण अधिगम स्तर में व्यापक सुधार लाने हेतु निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की जा रही हैः–

   2.1– नियमित अन्तराल पर आकलन एवं परीक्षायें आयोजित कराना–छात्र–छात्राओं के लर्निंग आउटकम्स हेतु विषयवार अधिगम आंकलन एवं मूल्यांकन हेतु प्रत्येक त्रैमास **"स्कूल लेवल असैसमेन्ट टेस्ट"** आयोजित कराया जा रहा है। दिनांक 08.11.2019 को परिषदीय विद्यालयों के लर्निंग आउटकम के मूल्यांकन एवं आंकलन हेतु कक्षा–5, 6, 7 व 8 के लिए आयोजित की जा चुकी है। उक्त परीक्षा का परिणाम प्रेषित किया जा चुका है। इस सम्बन्ध में विकासखण्डवार लर्निंग आउटकम परिणाम के आधार पर विद्यालयवार समीक्षा की गयी है तथा सी, डी, ई ग्रेड प्राप्त बच्चों में सुधार लाने हेतु रेमीडियल टीचिंग हेतु संचालित करने की कार्यवाही गतिमान है। अगली परीक्षा माह फरवरी 2020 में कक्षा 03 से 08 के सभी छात्र–छात्राओं के लिये परीक्षा निर्धारित है। **Learning Outcomes** पर आधारित परीक्षा परिणामों का **Student Report Card**एवं**School Report Card** प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड किया गया है जिसे खण्ड शिक्षा अधिकारी/प्रधानाध्यापक/अध्यापक द्वारा प्रेरणा पोर्टल से डाउनलोड करते हुये सम्बन्धित छात्र–छात्राओं के माता–पिता/अभिभावक को अनिवार्य रूप से विद्यालय में प्रेषित किया जाना है। प्रत्येक छात्र–छात्रा के अधिगम स्तर का **Foundation Learning Goals** के आधार पर चिन्हांकन किया जायेगा। तत्सम्बन्धी निर्धरित **लक्ष्य (Goals)** निम्नलिखित है–

   - कक्षा–1 से 5 तक के बच्चों के लिये शब्दो की पहचान किया जाना अर्थात् एक मिनट में बच्चे कितने शब्द बोल लेते है।

- मौखिक पाठन क्षमता का आंकलन अर्थात्– बच्चों द्वारा प्रत्येक मिनट में कितने सही शब्द पढ़कर बोले जा रहे है।
- एक संक्षिप्त पैराग्राफ पढ़ने के बाद कितने प्रश्नों के सही जवाब दिये जा रहे है।
- बच्चे कितने अंको की सही गणना कर पा रहे है।
- बच्चो द्वारा जोड़ एवं घटाने का सही उत्तर दिया जा रहा है या नहीं।
- बच्चो द्वारा गुणनफल का सही उत्तर दिया जा रहा है या नहीं।
- बच्चो द्वारा भाग का सही उत्तर दिया जा रहा है या नहीं।

इस तरह कक्षा–1 से कक्षा–5 के छात्र–छात्राओं के लिये हिन्दी और गणित के विषयों में 13 से 16 फाउन्डेशन लर्निंग गोल्स निर्धारित किये गये है। 80 प्रतिशत छात्र–छात्राओं द्वारा वर्ष 2022 तक ग्रेड कॉम्पीटेन्सी (Grade Competency) प्राप्त किये जाने का लक्ष्य है।

फाउन्डेशन लर्निंग गोल्स को त्रैमासिक लक्ष्य के रूप में विभाजित करते हुये **प्रेरणा तालिका** में अंकित किया जायेगा जिसको सम्बन्धित विद्यालयों की कक्षा में चस्पा किया जायेगा व इसका माहवार प्रधानाध्यापक एवं एकेडमिक रिसोर्स पर्सन द्वारा अनुश्रवण एवं प्रमाणीकरण किया जायेगा। इन गोल्स को विकासखण्डवार परियोजना से आबद्ध प्रतिष्ठित **थर्ड पार्टी असैसमेन्ट एजेन्सी** के माध्यम से रैन्डम असैसमेन्ट वैरीफिकेशन कराते हुये सम्बन्धित विकास खण्ड को **"प्रेरणा घोषित ब्लॉक"** के रूप में ऐलान किया जायेगा जहाँ विकास खण्ड के बच्चों द्वारा ग्रेड कॉम्पीटैन्सी **(Grade Competencey)** को हासिल किया गया है।

2.2 **सहयोगात्मक पर्यवेक्षण (Supportive Supervision)** फाउन्डेशन लर्निंग गोल्स को प्राप्त करने के लिये शिक्षकों की सुविधा हेतु **Foundation Learning Module (आधारशिला)** प्रत्येक शिक्षक को उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही न्यून अधिगम स्तर वाले छात्र–छात्राओं के अधिगम स्तर में वृद्धि करने हेतु **Remedial Teaching Module (ध्यानाकर्षण)** विकसित किया गया है जो अध्यापकों को प्रेषित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कक्षा–शिक्षण में उपयोगी विधाओं/पद्धतियों का प्रयोग करने हेतु मैन्युल के रूप में **Teaching Compendium (शिक्षण संग्रह)** तैयार कर शिक्षकों को उपलब्ध कराया जा रहा है। शिक्षको के सर्पोटिव सुपरविजन के लिए प्रति विकास खण्ड 05 विषय विशेषज्ञों एवं 01 डायट मेन्टर, कुल 4400 योग्य अध्यापको का **Academic Resource Group (ARG)** के रूप में चयन किया जा रहा है जिनको राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इन प्रशिक्षित एकेडमिक रिसोर्स पर्सन द्वारा प्रेरणा गुणवत्ता मोबाइल ऐप के माध्यम से अपने जनपदों के विकास खण्ड में प्रतिमाह 30 विद्यालयों का सर्पोटिव सुपरविजन किया जाएगा। इस प्रकार राज्य स्तर पर प्रतिमाह लगभग 1.5 लाख विद्यालयो का **Supportive Supervision** कियेजाने का लक्ष्य प्रदान किया गया है।

2.3 **निष्ठा कार्यक्रम**– इसके अन्तर्गत सभी 5.75 लाख शिक्षकों की क्षमता वृद्धि हेतु प्रत्येक जनपद में विकास खण्ड स्तर पर पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हो रहे है जिसे मार्च 2020 तक पूर्ण किया जाना है और इसमें **निष्ठा टीचिंग मॉड्यूल** के साथ–साथ **School Leadership Module** भी उपलब्ध कराया गया है।

2.4 **DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing)** ऐप के माध्यम से शिक्षकों के लिए अतिरिक्त डिजिटल शिक्षण सामग्री के माध्यम से कक्षा शिक्षण को रूचिकर एवं प्रभावी बनाया जा रहा है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के उपयोगार्थ के लाभ के लिए **3000 से अधिक वीडियो एवं विजुअल्स** शिक्षण सामग्री उपलब्ध करायी गयी है। "दीक्षा" का एडॉप्शन **(Adoption)** बढ़ाये जाने के लिए अभियान के रूप में कार्य किया जाना है।

3. **मानव संपदा मॉड्यूल**– बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत समस्त अध्यापकों का डाटाबेस, सेवा विवरण, समस्त प्रकार के अवकाश आवेदन एवं स्वीकृति, सेवा पुस्तिका को अपडेट किया जाना आदि हेतु मानव संपदा मॉड्यूल विकसित किया गया है जिसके लिये एक

मोबाइल एप भी विकसित किया है। इस मॉड्यूल के माध्यम से बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों के अधिष्ठान सम्बन्धी प्रकरणों का निस्तारण एन0आई0सी0 द्वारा विकसित पूर्णतयः सुरक्षित एवं संरक्षित मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। सेवा पुस्तिका के रख–रखाव एवं डाटा अपग्रडेशन की व्यवस्था की गयी है जिस हेतु शत प्रतिशत शिक्षको का डाटा ऑनलाइन अपलोड किया गया है। मानव सम्पदा पोर्टल का उपयोग सभी अध्यापको द्वारा नियमित रूप से किया जाये ताकि सेवा सम्बन्धी मामलों के निस्तारण हेतु पारदर्शी व्यवस्था व्यवस्था स्थापित हो सके।

4. **"प्रेरणा समीक्षा" मॉड्यूल–** जनपद एवं विकासखण्ड स्तरीय टास्कफोर्स के अधिकारियों, खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं जिला समन्वयकों द्वारा विद्यालय संबंधी विभिन्न बिन्दुओं पर ऑनलाइन निरीक्षण किया जा रहा है। प्रेरणा इन्टीग्रेटेड प्रणाली के अन्तर्गत प्रेरणा समीक्षा माड्यूल के तहत जिला टास्कफोर्स के 12 सदस्य एवं ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स के 08 सदस्यों द्वारा निर्धारित 15 मानको पर विद्यालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। जिसमें जिला समन्वयक को प्रतिमाह 20 निरीक्षण, खण्ड शिक्षा अधिकारी को 40 निरीक्षण, जिला टास्कफोर्स के सदस्य को प्रतिमाह 05 तथा बेसिक शिक्षा अधिकारियों को 20 निरीक्षण का लक्ष्य आवंटित किया गया है। निरीक्षण आख्या में पायी गयी कमियों के आधार पर बेसिक शिक्षा अधिकारी/खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा **एक्शन टेकन रिपोर्ट** तैयार करते हुये कार्यवाही की जा रही है जिसका निरन्तर अनुश्रवण एवं मूल्यांकन किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा माह नवम्बर से दिसम्बर 2019 के मध्य किये गये निराक्षणों का विवरण प्रेरणा पोर्टल के डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रहा है।

5. **एस0एम0सी0 गतिविधियाँ–** विद्यालय प्रबन्ध समिति की बैठकों एवं विद्यालय की गतिविधियों में एस0एम0सी0 की सहभागिता एवं सशक्तिकरण हेतु एल0ई0डी0, वीडियो वैन, नुक्कड़ नाटक, होर्डिंग, मीना कैम्पैन का संचालन किया जा रहा है। इनके माध्यम से विद्यालयों में बच्चों की नियमित उपस्थिति हेतु अभिभावको से अपील की गयी है। विद्यालयों में नियमित एवं निर्धारित तिथियों में **एस0एम0सी0 की बैठके, पी0टी0एम0 बैठको तथा वार्षिकोत्सव** का आयोजन किया जा रहा है। इन सभी गतिविधियों का निरन्तर अनुश्रवण एवं मूल्यांकन प्रेरणा पोर्टल से किया जा सकता है।

6. **कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय–** प्रदेश में संचालित समस्त 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में गैप एनालिसिस कराकर अवस्थापना सुविधाओं के गैप चिन्हित किये गये है। इस परिपेक्ष्य में चिन्हित अवस्थापना कमियों को दूर करने हेतु समग्र शिक्षा के अन्तर्गत धनराशि विद्यालयों को उपलब्ध करायी जा रही है। इसके अतिरिक्त इन आवासीय विद्यालयों में रिक्त पदों को मार्च 2020 तक प्रत्येक दशा में भरे जाने की कार्यवाही पूर्ण करायी जानी है। इन विद्यालयों में बालिकाओं व स्टाफ की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु गाइड लाइन्स जारी की गयी है, जिनके कियान्वयन का अनुश्रवण भी आवश्यक है।

7. **लाईब्रेरी** –सभी विद्यालयों में पुस्तकालय हेतु दिशा–निर्देश जारी किये गये है । जिसके अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों के लिए 80 पुस्तकों का 3 सेट, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए 97 पुस्तकों का 3 सेट एवं कक्षा 01 से 08 के कम्पोजिट विद्यालयों के लिए 78 किताबों का 3 सेट उपलब्ध जा रहा है जिस हेतु लाइब्रेरी मैनेजमेन्ट के लिये विस्तृत दिशा–निर्देश भी निर्गत किये गये है। लाइब्रेरी का सदुपयोग कराते हुये बच्चों का इसका लाभ मिले, इस सम्बन्ध में सतत् अनुश्रवण की आवश्यक्ता है।

8. **स्पोर्ट्स** –समस्त छात्र–छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु भारत सरकार के अनुमोदन के उपरान्त प्रत्येक विद्यालय में स्पोर्ट्स सामग्री/उपकरण क्रय करने हेतु धनराशि जनपदों को भेजी जा चुकी है। स्पोर्ट्स सामग्री/उपकरणों का क्रय विकेन्द्रीकरण प्रक्रिया के तहत विद्यालय प्रबन्ध समितियों के द्वारा किया जाना है, जिसका समय से आपूर्ति एवं गुणवत्ता का निरन्तर अनुश्रवण एवं मूल्यांकन किया जाना है।

9. **विद्यालयों का संविलियन–** जिन स्थानों पर प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय एक ही परिसर में संचालित है उन विद्यालयों का सविलियन एक ही परिसर में किया जा रहा है। अब तक **लगभग 21,000** विद्यालयों का संविलियन किया जा चुका है विद्यालय स्तर पर मूर्त रूप में इसके कियान्वयन का अनुश्रवण किया जाना अपेक्षित है।

10. **इंग्लिश मीडियम स्कूल–** प्रदेश के **15,000 विद्यालयों** को आदर्श इंग्लिश मीडियम स्कूल घोषित किया गया है। इन विद्यालयों के अध्यापको का क्षमता संवर्द्धन किया जा रहा है एवं उपयुक्त शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है। इन विद्यालयों को उत्कृष्ट विद्यालयों के रूप में विकसित कराने हेतु प्रभावी एवं सतत् अनुश्रवण की आवश्यक्ता है।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के सम्बन्ध में प्रदेश के विभिन्न जनपदों द्वारा किये किये जा रहे विभिन्न अभिनव प्रयासों, कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद की प्रगति, आगामी रणनीतियों एवं विभिन्न चुनौतियों के सम्बन्ध में चर्चा–परिचर्चा हेतु एक दिवसीय मण्डलीय गोष्ठी का आयोजन आपकी अध्यक्षता में माह जनवरी–फरवरी में किया जाना प्रस्तावित है जिसकी एक **प्रस्तावित मिनट टू मिनट कार्यक्रम** पत्र के साथ सलंग्न (सलंग्नक–1) है। इस कार्यक्रम में आपके मण्डल के समस्त जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), ए0आर0जी0 (Accedemic Resource Group) एवं एस0आर0जी0 (State Resource Group) द्वारा प्रतिभाग किया जाना है, जिनकी मण्डलवार अनुमानित संख्या आपके सुलभ सन्दर्भ हेतु सलंग्न (सलंग्नक–2) है।

उक्त गोष्ठी के आयोजन पर व्यय की जाने वाली समस्त धनराशि यथा हॉल का किराया, स्टेशनरी, माइक–प्रोजेक्टर, स्वल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था इत्यादि पर व्यय होने वाली धनराशि महानिदेशक, स्कूल शिक्षा द्वारा मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) को उपलब्ध करायी जा रही है।

2– उक्त सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मण्डलीय गोष्ठी के आयोजन हेतु अपनी सुविधानुसार तिथि व स्थान का निर्धारण करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

सलंग्नक– उक्तानुसार

20/1/2020

(रेणुका कुमार)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. प्रमुख सचिव, पंचायती राज विभाग।
2. निदेशक, पंचायती राज विभाग उ0प्र0,।
3. महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उ0प्र0।
4. निदेशक, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0।
5. समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र0।
6. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उ0प्र0।
7. समस्त सहायक मण्डलीय शिक्षा निदेशक, उ0प्र0।
8. समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।
9. समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त विकास खण्ड, उत्तर प्रदेश।
10. चीफ फील्ड ऑफिस, यूनिसेफ, लखनऊ को शिक्षा एवं जल व स्वच्छता विषय पर तकनीकी सहयोग एवं गोष्ठी में प्रतिभाग हेतु।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(उमेश कुमार तिवारी) 20.01.2020
उप सचिव।